Shaheed Durga Mall Government

PG College, Doiwala, Dehradun

Annual Report 2021-2022

Presented By

IQAC Cell

SDM Govt. PG College
Doiwala, Dehradun

www.sdmgovtpgcollege.in
Email: degreecollegedoiwala@gmail.com
Contact No. 0135 2973836

VISION

"To impart quality and value oriented higher education by adopting student-centric teaching learning methods for academic excellence and achieving holistic personality development of students hailing from rural areas and all sections of society."

MISSION

Shaheed Durga Mall Government Post Graduate College, Doiwala is bestowed with science, commerce and arts faculties who strive to accomplish the mission of the college with zeal.

The mission of the college is as follows:

- **To provide adequate learning opportunities in higher education to students hailing from rural areas.**
- **To develop creative thinking and reasoning skills through experiential learning.**
- **To inculcate teaching, learning and research aptitude in students.**
- **To develop and facilitate infrastructural facilities so as to meet the educational requirements of the students.**
- **To ensure adequate opportunities for academic and extracurricular engagement leading towards holistic personality development.**
- **To instill leadership qualities and efficient managerial skills among students by engaging them in various decision-making processes.**
- **To create sensitivity towards socio-environmental issues.**

PROFILE OF THE COLLEGE

Located in the foot hills of Garhwal region near Dehradun, the state capital of Uttarakhand. Shaheed Durga Mall Govt. PG College, Doiwala, Dehradun, a co-educational institute was established in the year 2001. The college is affiliated to Sri Dev Suman, Uttarakhand, University, Badshahithaul,Tehri-Garhwal, Uttarakhand. The institution has an area of 8.62 acres, is on the National Highway 72 and is 20 kms away from the state capital, Dehradun. It has good transport connectivity with surrounding areas due to its location. A good connectivity mainly helps the girl-students of the surrounding areas, who can easily commute.

Name of Head of Institution : Prof. D.C. Nainwal

Contact No. and E-Mail : 9411127888

Name of IQAC Coordinator : Dr Santosh Verma

Contact No. : 7300564030

Institution Type : Co-education

Programme offered : B.A., B.Sc., B.Com & M.A.

Student's detail: 2020-2021 Total Enrolled :

Class	Gen	Sc	ST	OBC	Total
B.A.	531	144	10	214	899
B.Sc.	169	49	0	65	283
B.Com.	86	16	0	26	128
M.A.	121	32	0	63	216
				Grand Total	1526

Teaching Faculty Details: Sanctions Post - 30, Filled - 27, Vacant - 03

(Professor – 05, Associate Professor – 11, Assistant Professor – 11)

Non-Teaching Faculty Details: Sanctioned Post 32 Filled 27 Vacant 04

Infrastructure: Classroom 16 Laboratories 08 Principal office, Staff office, Girls Common Room, Library and Digital Library.

ICT Facilities: Computer 30 Laptop 02 Printer 10 Photocopier 02, LCD 01.

"Induction Meeting of Students 2021-2022"

Independence Day Celebrations maintaining Corona -protocol.

सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर-पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरुल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएं दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

Homage to Sarvapalli Radhakrishnan on Teachers' Day.

On 6th September 2021, on the occasion of Teachers' Day, Dr Rakhi Panchola, Associate Professor, Dept of Political Science was awarded by "Teacher of the Year Award-2022" by Honourable Chief Minister of Uttarakhand, Shri Pushkar Singh Dhamiji.

दिव्य हिमगिरि
in association with
4th AWARD Ceremony
TEACHER THE YEAR
शहीद मेजर दुर्गामल्ल
(01-07-1913 - 25-08-1944)
शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान
उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाऐं दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

Hindi -Day Celebrations 2021. Renowned Poet Padmashree Shri Leela Dhar Jagudi graced the occasion as Chief Guest.

शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान
उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएँ दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

Gandhi -Jayanti Celebrations -2021

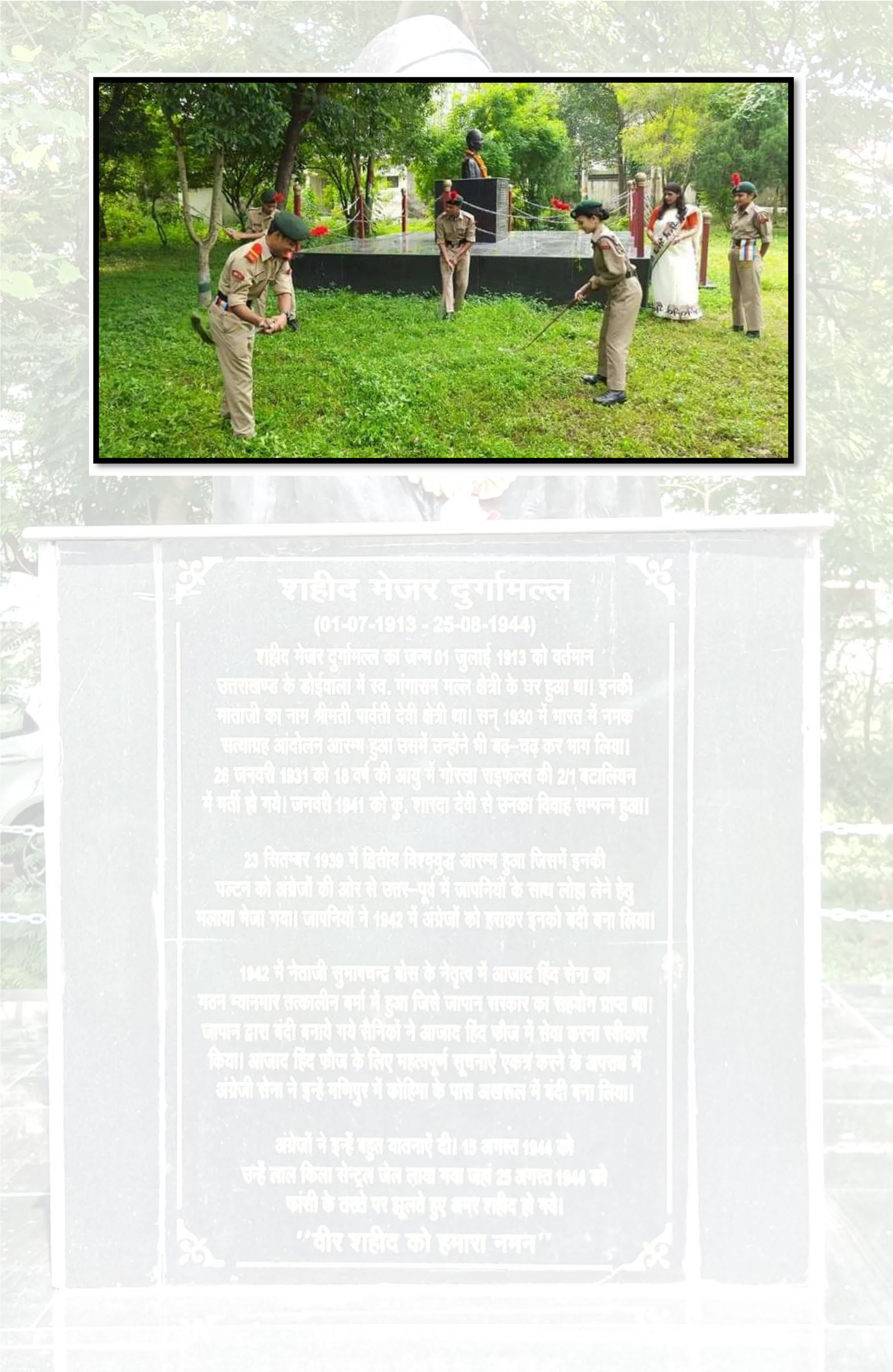
शहीद मेजर दुर्गामल्ल
(01-07-1913 - 25-08-1944)
शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया। 26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था। जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाऐं एकत्र करने के अपराध में अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाऐं दी। 15 अगस्त 1944 को उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

Amrit -Mahotsav was celebrated on 9th August 2021 by organizing an academic lecture by well-known historian Shekhar Pathak. The Dept of Political Science organized the event. Hon Principal Dr. D C Nainwal chaired the conference. The conference was attended by the Faculty-members, students and invited guests.

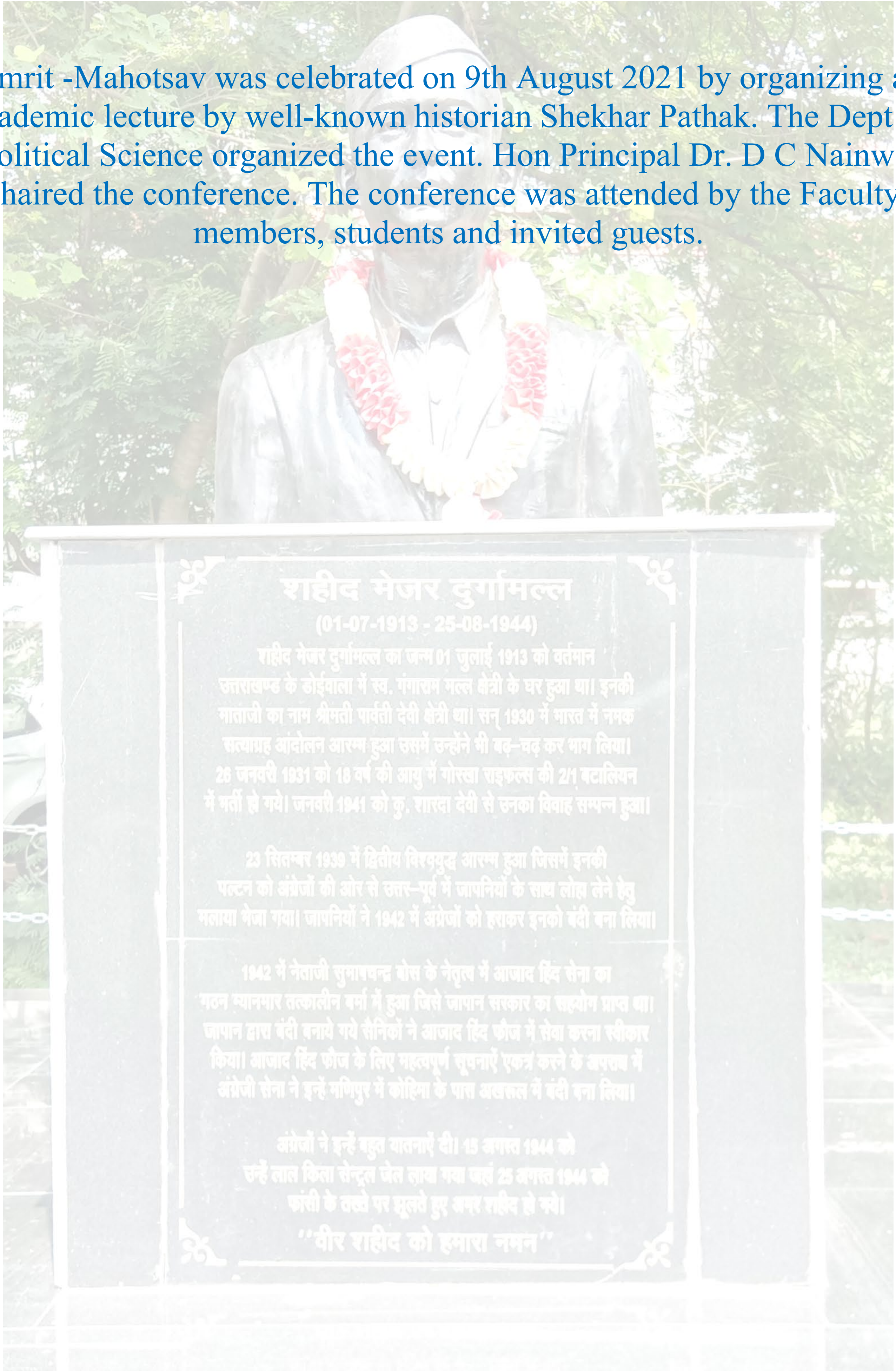

11:19
wgo-tocw-pyf
Dr Shikha
Naveen
You
Shekhar
Dr. Sushil
Rakhi
45 others
REDMI NOTE 10
10/08/2021 11:19

12:37
wgo-tocw-pyf
Dr M S
Dr D.C.
Rakhi
You
Arjun
S
Shekhar
Vandana
p
poonam
34 others

1:00
wgo-tocw-pyf
Dr M S
Dr D.C.
Rakhi
You
Arjun
S
Shekhar
Kamna
Pallavi
29 others

An MoU was signed between Sri Ram Himalayan University, Jollgrant and SDM Government Post Graduate College Doiwala, Dehradun.

शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान
उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएं दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

The Dept of Psychology organized a meeting on World Mental Health Day 2021
Dr. Vandana Gaur and Dr Poonam Pandey supervised over the meeting. Power point presentations were made by the students of Psychology to create awareness regarding mental health. Dr Malini Srivastava graced the occasion as Chief Guest. Honorable Principal of the College, Dr. DC Nainwal presided over the function.

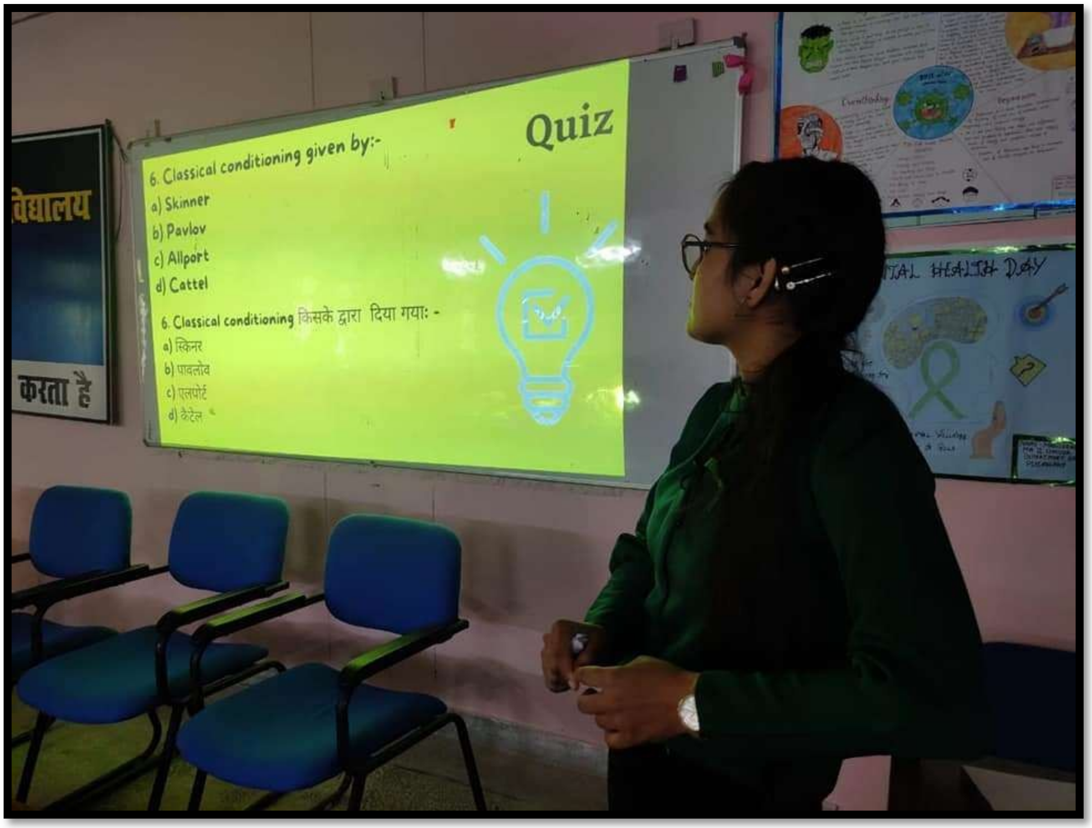
Quiz
6. Classical conditioning given by:-
a) Skinner
b) Pavlov
c) Allport
d) Cattel
6. Classical conditioning किसके द्वारा दिया गया: -
a) स्किनर
b) पावलोव
c) एलपोर्ट
d) कैटेल
विद्यालय
करता है

A 2-Day Skill Development Workshop was convened by the Career Counselling Cell on "Plastic Material &Its Application". CIPET conducted this workshop. Principal In-charge, Prof. Santosh Verma

(01-07-1913 - 25-08-1944)
शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान
उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएं दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

The Department of Political-Science organized the Constitution-Day in which the Chief-Speaker and Ex-Election Commissioner, Suverdhan Shah spoke on the values as stated in the Constitution.

राजनीति विज्ञा
संविधान दिवस
26 Novem
डोईवाला, देहराद

उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएें एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएें दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

On 30th October,2021, the "Run for Unity" was organized honoring the memory of Sardar Vallabh Bhai Patel, the Iron Man of India.

उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाऐं एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाऐं दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

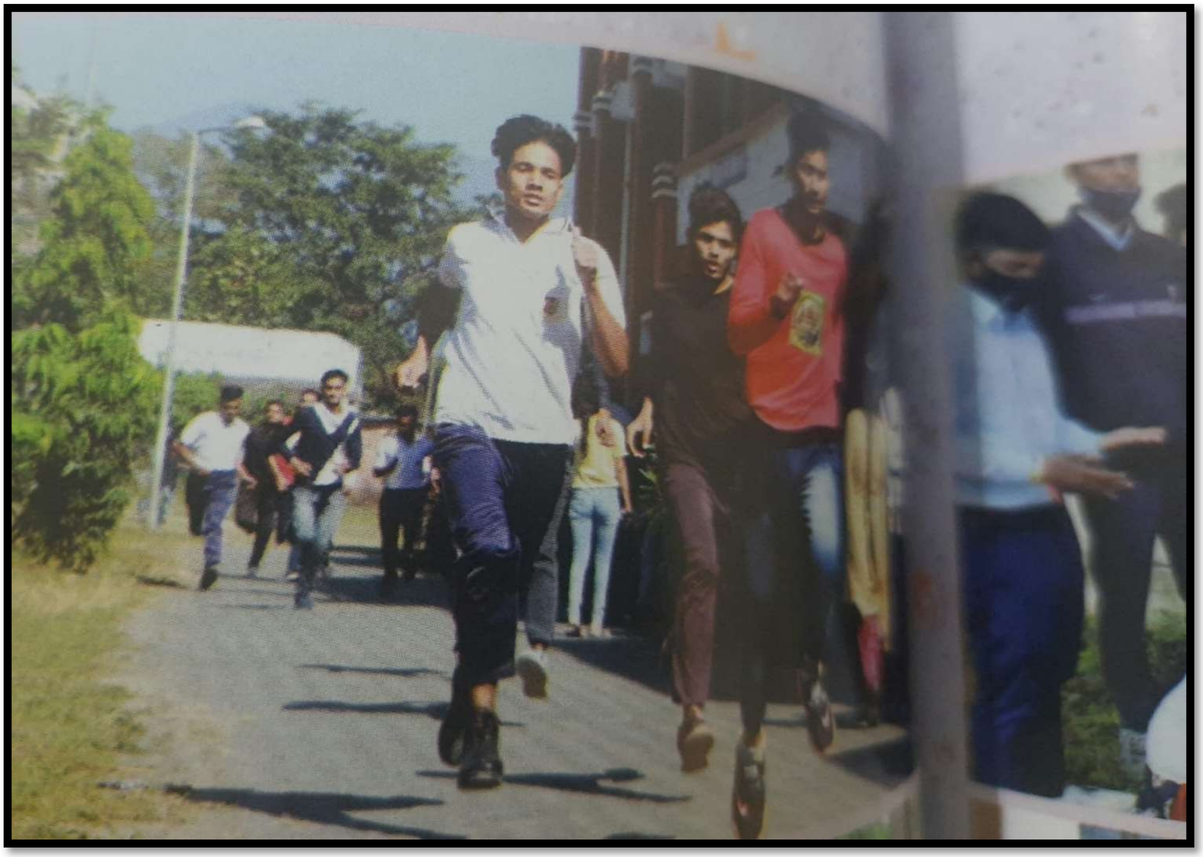

Career counseling cell organized a career counseling session on 'Scope of Psychology' on 08 April, 2022 for the students of psychology . The Department of Psychology organized a workshop on "Counselling Skills" on 09 April 2022 in which students were trained in providing counseling skills through role play method by Dr. Atul Kumar, Director & Clinical Psychologist, UIBS was the Expert Trainer.The workshop was chaired by Hon.Principal, Dr DC Nainwal and was convened by Dr. Vallari Kukreti, Incharge of the department, Dept. of Psychology.

National Science Day 2022, was celebrated with much enthusiasm by the Faculty-members and students of Science stream. Poster-Competition, Quiz and Model-Making competitions were organized.

A carrom & Chess competition was organized on the occasion of the Statehood Day Celebrations.

Anshika Rawat, a student of B.Com Ist year, secured First position in the District-Level Speech Competition organized by Nehru Yuva Kendra on the topic,"Sabka Saath, Sabka Vishwas aur Sabka Prayas."

IGNOU Cell under the supervision of Dr. Rakhi Panchola, Dept of Political Science begins to take shape.

(01-07-1913 - 25-08-1944)
शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान
उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएं दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

On 25th March 2022, a 7-Day NSS Camp was inaugurated by Hon Principal Dr. DC Nainwal NSS Programme Officers Dr. Anjali Verma and Dr. Noor Hasan very efficiently organized all the events.

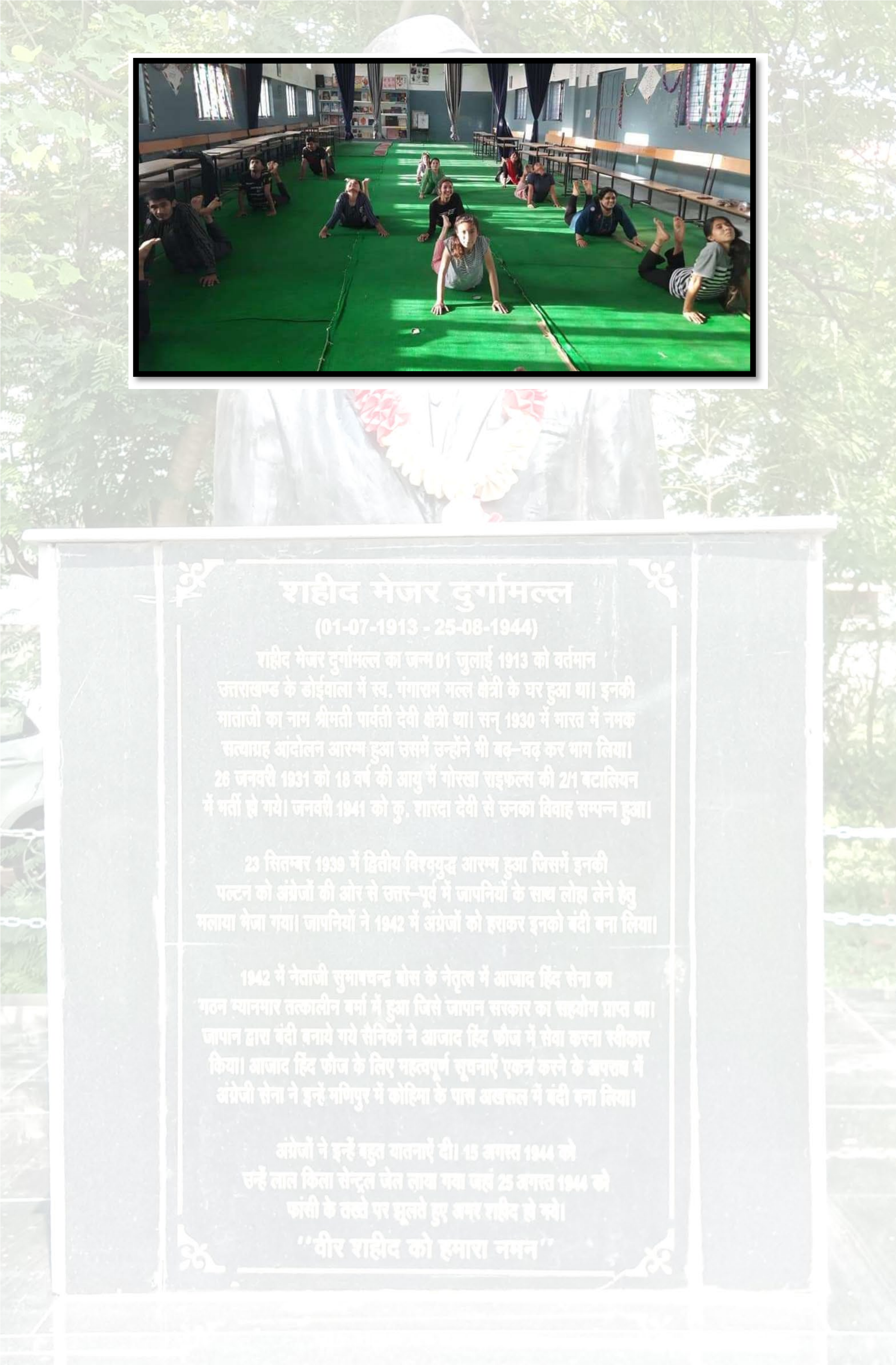
शहीद मेजर दुर्गामल्ल
(01-07-1913 - 25-08-1944)
शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया। 26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था। जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएं एकत्र करने के अपराध में अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएं दी। 15 अगस्त 1944 को उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

NCC Alumni Meet 2022,was organized on 25th March 2022 under the chairmanship of Hon Principal Dr. DCNainwal and under the supervision of Lt. (Dr) Vallari Kukreti,ANO,29UKBn,NCC.

माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अज्ञात में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएँ दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

COLLEGE
NCC

On 28th of March 2022, the Career Counselling Cell organized a Yoga session in which the NCC cadets practiced Surya Namaskar and Yoga-Asanas. The program was supervised by Lt. (Dr) Vallari Kukreti.

National Youth Festival was celebrated by NCC cadets on the occasion of Swami Vivekanand birthday. Cadets conducted a campus cleaning drive, yoga, extempore, presentations on indigenous sports aand cultural activities.

Isha
Rohan
Riya
Mohd
Moin
Saurabh
You
KABADDI GROUND FOR MEN
k-avde-qbp
खो-खो (KHO-KHO)
presenting
अखाड़ा कुश्ती (AKADA KUSHTI)
Tamanna is presenting
Cultural program
National Youth Festival-2022
29UKBn, NCC
S.D.M.Govt.P.G.College, Doiwala
Mohd
Anisha
Saurabh
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"

NCC cadets spread awareness regarding clean water resources under PUNEET SAGAR ABHIYAAN.

On 12th of November, a Voter-Awareness campaign was organized and an oath for compulsory voting was registered to the students. A Speech-Competition was organized in which the Students participated actively.

Republic Day Celebrations 2022Games & Sports Activities-2022

Games & Sports Activities-2022

बास्केट बॉल समिति

- डॉ० प्रीतपाल सिंह — संयोजक
- डॉ० सतीश चन्द पाल — सदस्य
- डॉ० किरन जोशी — सदस्य
- डॉ० सुजाता — सदस्य

चेस व कैरम समिति

- डॉ० रवि रावत — संयोजक
- डॉ० नर्वदेश्वर शुक्ला — सदस्य
- डॉ० प्रतिभा बलूनी — सदस्य
- डॉ० कंचन सिंह — सदस्य

जलपान समिति

- डॉ० वल्लरी कुकरेती — संयोजक
- डॉ० वन्दना गौड़ — सदस्य
- डॉ० अनिल भट्ट — सदस्य
- डॉ० नूर हसन — सदस्य
- श्रीमती प्राची बहुगुणा — सदस्य
- श्रीमती शोभा देवी — सदस्य

बैठक व्यवस्था समिति

- डॉ० नर्वदेश्वर शुक्ला — संयोजक
- डॉ० नवीन कुमार नैथानी — सदस्य
- श्री आतिफ कुरैशी — सदस्य
- श्री जितेन्द्र नेगी — सदस्य

प्रतियोगिता के नियम एवं निर्देश

1. प्रतिभागी छात्र–छात्रा केवल 3 प्रतियोगिताओं में ही भाग ले सकते हैं। उसकी अतिरिक्त प्रतियोगिता निरस्त समझी जायेगी ।
2. यदि किसी प्रतियोगिता में 3 से कम प्रतिभागी हो तो प्रतियोगिता को निरस्त कर दिया जायेगा।
3. चैम्पियनशिप में व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं को ही सम्मिलित किया जायेगा।
4. कार्यक्रम के क्रम में परिवर्तन किया जा सकता है।
5. निर्णायक मण्डल का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा ।
6. यदि प्रतिभागी द्वारा किसी प्रतियोगिता हेतु विरोध दर्ज करना है तो प्रतियोगिता के सम्पन्न होने के बाद I 5 मिनट के अन्दर ₹100 जमाकर लिखित रुप से प्रस्तुत करना होगा ।
7. प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी प्रतियोगी अपना महाविद्यालय परिचय पत्र अनिवार्य रूप से साथ लायें।
8. प्रतियोगी छात्र–छात्रायें प्रतिभाग हेतु अपना स्पोर्टस किट साथ लायें ।

शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला

वार्षिक क्रीडा समारोह

सत्र 2021–22

''क्रीड़ में महत्व विजय का नहीं, भाग लेने का है जीवन में महत्व सफलता का नहीं, संघर्ष का है, तव्व की बात विजय का लाभ करना नहीं जमकर संघर्ष करना है''

– वैरन पियर डी कुबरटिन

• आयोजन •

दिनांक 12-04-2022 एवं 13-04-2022

• निमंत्रण •

मुख्य अतिथि :

श्री बृज भूषण गैरोला जी

मा0 विधायक, डोईवाला विधानसभा

मान्यवर,

इस महाविद्यालय के वार्षिक क्रीड़ा समारोह में उद्‌घाटन एवं समापन के अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर अपेक्षित है।

उद्‌घाटन समारोह दिनांक 12–04–2022 I 10:00 बजे पूर्वाह्न
समापन समारोह दिनांक 13–04–2022 I 12:00 बजे अपराह्न

डॉ० डी.सी नैनवाल (प्राचार्य)

डॉ० अफरोज एकबाल (क्रीड़ा प्रभारी)

Annual Day-2022

Annual Day-2022

On 1st of April 2022, Students attended Prime Minister's Pariksha Pe Charcha 2022, through virtual-mode.

Harela, a festival of plantation, greenery,rains and prosperity was celebrated by planting saplings in the campus on 15th July 2021.

College In Media

राष्ट्रीय सहारा

पीड़ित है प्रकृति, प्लास्टिक से भर रहे हैं महासागर

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

डोईवाला।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर 29 यूके वीएन, एनसीसी शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कैडेट्स की ओर से साप्ताहिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें कहा गया कि प्रति पीड़ित है। महासागर प्लास्टिक से भर रहे हैं और अधिक अम्लीय हो रहे हैं।

अत्यधिक गर्मी, जंगल की आग और वाढ़ के साथ ही रिकॉर्ड तोड़ने वाले अटलांटिक तूफान के मौसम ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए प्रकृति और पर्यावरण को वचाने की जरूरत है। महाविद्यालय में एनसीसी के कैडेट्स की ओर से विश्व पृथ्वी दिवस पर विभिन्न प्रकार के पोस्टर वनाए गए। सभी एनसीसी कैडेट्स द्वारा अपने घर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वीते18 अप्रैल को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया और 19 अप्रैल को सभी एनसीसी कैडेट्स की ओर से महाविद्यालय

विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रांगण में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 20 अप्रैल को सभी एनसीसी कैडेट्स ने संरक्षण की ड्रिप सिंचाई तकनीक के मॉडलों से पौधों की सिंचाई की। 21 अप्रैल को पर्यावरण और अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रदूषण के प्रभाव पर डॉ.पल्लवी उप्रेती की ओर से ऑनलाइन व्याख्यान दिया। 22 अप्रैल शुक्रवार को कार्यक्रम का समापन कैडेट्स की ओर से वनाई गई ईको व्रिक्स से वेंच वनाकर किया गया।

शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रगति कर रहा है : निशंक

स्वतंत्र चेतना

डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला के वार्षिकोत्सव छात्र संघ परिषद की श्रृंखला के अंतिम दिवस में मासांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ,मुख्य अतिथि रहे उन्होंने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय उतरोतर प्रगति कर रहा है। साथ ही प्राध्यापक गण अपने अनुभव से वा मार्गदर्शन में अनेक प्रतिभाओं को विकसित करते हुए उनके व्यक्तिव , चरित्र,का निखार कर राष्ट्रीयता का भाव उत्पन्न किया जाएगा। उनसे पूर्व प्राचार्य डाक्टर डी सी नैनवाल ने स्वागत संबोधन करते हुए बताया कि महाविद्यालय में छात्र छात्राएं प्राध्यापको के सहयोग से आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए आगे बढ़ रहे है। उन्होंने वार्षिक आख्या प्रस्तुत की। छात्र संघ प्रभारी डाक्टर डी एन शुक्ला ने विगत 3 वर्षो की आख्या प्रस्तुत की। छात्र संघ पदाधिकारी एवं अध्यक्ष अभिषेक पूरी द्वारा स्वागत किया गया। अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक डाक्टर पल्लवी मिश्रा की पुस्तक The Dynamics of Folklore and Orature in Culture.का विमोचन मामुख्य अतिथि एवं अन्य सम्मानित मंच की उपस्थिति में हुआ। अभी तक की समस्त प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के उपरांत रंगारंग सांसतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कला संकाय को सर्वश्रेष्ठ संकाय की ट्राफी से सम्मानित किया गया। डाक्टर आर एस रावत ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डाक्टर राखी पंचोला एवं छात्र प्रतिनिधि विवेक लोधी एवं आकांक्षा बडोला द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवी, एन सी सी के कैडेट्स, रोवर्स रैंजर्स सहित छात्र संघ के प्रतिनिधि , पुरातन छात्र संघ के प्रतिनिधि सहित अनेकों छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

डोईवाला(पवन सिंघल)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला में आज शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम राधाकृष्णन के चित्र पर प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर डीएन तिवारी द्वारा माल्यार्पण किया गया । सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने राधाकृष्णन जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात महाविद्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रभारी प्राचार्य डॉ डी०एन० तिवारी ने कहा कि डॉक्टर राधाकृष्णन भारतीय समाज के आर्थिक पिछड़ेपन और गरीबी से अवगत थे, वह सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि दुनिया में दूसरा ऐसा कोई देश नहीं है जिसमें इतनी आर्थिक विषमता व्याप्त हो। उनका मानना था कि श्रेष्ठता का प्रमाण केवल चरित्र है, वह जाति

पांत, छुआछूत को कलंक मानते थे। वह कहा करते थे कि अस्वच्छ और अस्पृश्य कुछ भी नहीं है, हमें विचार कर अपनी आदतें और आचरण बदलना चाहिए। डॉ आर एस रावत ने कहा की डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने समाजवादी व्यवस्था की बात करते हुए कहा कि समाजवाद का अर्थ सबके लिए समान अवसर और आवश्यक सुविधाएं देना है। गरीबी और अमीरी के अंतर को कम करना है। तथा प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ एसके कुड़ियाल ने कहा कि भारतरत्न डा० राधाकृष्णन जी एक महान दार्शनिक विचारक थे। वह कहा करते थे कि मानव की महिमा इस बात पर रही है कि वह कभी असफल न हो। असफलता से ही सफलता का मार्ग मिलता है। इस अवसर पर डॉ आर एस रावत, डॉ एसके कुड़ियाल, डॉ वंदना गौड़, डॉक्टर आरके बडोनी, डॉक्टर अनिल भट्ट, डॉक्टर पल्लवी मिश्रा, डॉक्टर राजपाल सिंह रावत, डॉ रेखा नौटियाल,डॉ प्रियंका, डॉक्टर रेखा यादव, जीएस कंडारी, महेश, रामेश्वर, नवीन आर्य, कृष्णानंद गोस्वामी, सुनील नेगी,शोभा देवी, ममता देवी सहित महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवायोजना के छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

College In Media

डोईवाला महाविद्यालय व हिमालयन विवि के बीच हुआ एमओयू

डोईवाला (एसएनबी)। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जौलीग्रांट के बीच मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।शहीद दुर्गा मल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला के प्राचार्य प्रोफेसर डीसी नैनवाल और स्वामी राम हिमालयन विद्यालय जौलीग्रांट के कुलसचिव डा.सुशीला शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के अनुसार दोनों शिक्षण संस्थाओं छात्र-छात्राएं सामाजिक कार्यो में मानव संसाधन के रूप में समाज में जागरूकता कार्यक्रम, रक्तदान शिविरों में स्वैच्छिक भागीदारी, कोरोना महामारी के बचाव के लिए जनमानस में जागरूकता पैदा करना और मनोवैज्ञानिक परामर्श के कार्यो को साझा किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.डीसी नैनवाल,स्वामीराम विवि की कुलसचिव डा.सुशीला शर्मा, सहायक कुलसचिव संदीप बधानी, डा.डीएन तिवारी, डा.राखी पंचोला एवं डा.एसके कुड़ियाल उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष आवासीय शिविर के चतुर्थ दिन में साक्षरता, शिक्षा, पर्यावरण, टीकाकरण आदि का किया गया सर्वेक्षण

बुलन्द वाणी ● संजय राजपूत

देहरादून, डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष आवासीय शिविर के चतुर्थ दिन में स्वयं सेवियों द्वारा शिविर स्थल से नारे लगाते हुए कार्य स्थल खोजा बस्ती मे सर्वेक्षण कार्य किया जिसमें साक्षरता, शिक्षा, पर्यावरण, टीकाकरण आदि का सर्वेक्षण किया। इससे पूर्व पुरातन स्वयंसेवी अंकित टम्टा के द्वारा स्वरोजगार के विषय मे महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। आज के बौद्धिक सत्र में प०ल०मो०शर्मा श्रीदेव सुमन वि०वि० कैम्पस ऋषिकेश के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ एस.के. कुड़ियाल ने हॉर्टिकल्चरल क्षेत्र से रोजगार की संभावनाओं पर अपना व्याख्यान दिया। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि हॉर्टिकल्चर क्षेत्र से विभिन्न सेक्टर मे जैसे गवर्नमेंट सेक्टर, प्राइवेट सेक्टर और सेल्फ एंप्लॉयमेंट में जॉब सिक्योर कर सकते हैं। उन्होंने हॉर्टिकल्चर सेक्टर में फ्लोरीकल्चरिस्ट, ओलेरीकल्चरिस्ट, पोमोलॉजिस्ट, हॉर्टिकल्चरल कंसलटेंट, ग्रीनहाउस मैनेजर, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, नर्सरी मैनेजर, हॉर्टिकल्चरल मार्केटर, विटीकल्चरिस्ट, सिल्वीकल्चरिस्ट इत्यादि के बारे में स्वयंसेवियों को विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने एपीकल्चर एवं मशरूम प्रोडक्शन जिस मे मुख्य रूप से बटन मशरूम, ढींगरी व पैड़ी स्ट्रॉ मशरूम के बारे में स्वयंसेवकों को बताया। फ्लोरीकल्चर के बारे में उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तराखंड में देश का मात्र 3.5% प्रोडक्शन हो रहा है जिसमें कि प्रोडक्शन बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। इसमें मुख्य रूप से जरबेरा, ग्लेडियोलस ट्यूब रोज, ट्यूलिप्स, कारनेशन गुलाब,गेंदा एवं गुलदाउदी की खेती प्रमुख रूप से की जा सकती है। इसके लिए सरकार भी सब्सिडी दे रही है। बौद्धिक सत्र में डॉ कुड़ियाल ने हॉर्टी कल्चर के विषय मे विस्तृत जानकारियां दी तथा उसमे क्या संभावना हो सकती है यह बताया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजली वर्मा ने किया , डॉ नूर हसन ने अतिथियों का स्वागत किया ।

कार्यक्रम में रश्मि ममगाईं, पवन तिवाड़ी, गुंजन , सोनाली काला, आकांक्षा , दीक्षा , दिव्यांशु , नवनीत, नवीन , मुकुल आदि उपस्थित थे।

College In Media

न्यूज डायरी

खेल प्रतिभाओं को उचित मंच देकर प्रोत्साहित करें

डोईवाला। विधायक बृजभूषण गैरोला ने शहीद दुर्गा मल्ल पीजी कॉलेज में मंगलवार को दो दिवसीय क्रीड़ा महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित मंच देकर प्रोत्साहित करना चाहिए। डोईवाला महाविद्यालय के मैदान पर विधायक बृजभूषण गैरोला ने क्रीड़ा महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। ऐसे आयोजनों से ही उन्हें आगे आने का उचित अवसर मिल पाता है। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि खेलों से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. डीसी नैनवाल ने महाविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने विधायक के समक्ष कॉलेज भवन, पार्किंग और स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन शुरू कराने की मांग की। संवाद

दिव्यांशु व आकांक्षा बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी

शिविर

- **डोईवाला महाविद्यालय का सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न**
- **शिविर में विजेता स्वयं सेवियों को किया गया पुरस्कृत**

संवाद सहयोगी, डोईवाला : शहीद दुर्गामल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला का सात दिवसीय शिविर संपन्न हो गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र- छात्राओं को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी छात्र का अवार्ड दिव्यांशु जोशी, सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी छात्रा आकांक्षा, सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक छात्रा आयुषी डबराल, बेस्ट टीम लीडर का अवार्ड आयुष उनियाल, बेस्ट कुकिंग टीम दीक्षा डोभाल ,रंगोली प्रतियोगिता में पूर्णिमा प्रथम, श्वेता द्वितीय व सिद्धांत तृतीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में दिव्यांशी जोशी प्रथम, आशीष द्वितीय एवं सचिन तृतीय स्थान पर रहे। गायन में प्रथम स्थान पर गौरव भट्ट ,आयुष द्वितीय और दिव्यांशु व अनुज तृतीय स्थान पर रहे। मेहंदी में प्रथम स्थान पर दीक्षा डोभाल, द्वितीय में गुरप्रीत एवं स्वाति तीसरे स्थान पर रही। नृत्य में प्रथम स्थान पर श्वेता, द्वितीय में सारांश व तृतीय स्थान पर स्वाति रही। स्वयं सेवियों को पुरस्कृत करते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि किसी भी महिला को कोई समस्या होने पर सीधा उनसे संपर्क किया जा सकता है। जिससे वह उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर सके। सात दिवसीय शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं ने सपेरा बस्ती में सर्वेक्षण कार्य भी किया। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, आदि 21 बिंदुओं पर सर्वेक्षण किया गया। जिसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी । बस्ती से लौटने के उपरांत प्रथम बौद्धिक सत्र में सरस्वती विद्या मंदिर के आचार्य दिनेश चंद्र भट्ट ने वैदिक गणित के अनेक सूत्र छात्र छात्राओं को बताएं ।

College In Media

'शिविर के अनुभवों को अपनाएं'

शहीद दुर्गा मल्ल पीजी कॉलेज के एनएसएस के शिविर का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष आवासीय सात दिवसीय शिविर के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता और सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवियों को पुरस्कृत किया गया। छात्र-छात्राओं से शिविर के अनुभवों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया गया।

डोईवाला महाविद्यालय के एनएसएस शिविर के समापन पर मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने स्वयंसेवियों को पुरस्कृत करते हुए

एनएसएस शिविर में प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते स्वयंसेवी। -संवाद

कहा कि छात्र जीवन में सीखी गई रचनात्मक गतिविधियां हमेशा काम आती हैं। शिविर में सिद्धांत बहुगुणा ऑल राउंडर स्वयंसेवी चुने गए, जबकि छात्र दिव्यांशु और छात्रा आकांक्षा सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी बने। आयुषी डबराल सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक छात्रा, बेस्ट कुकिंग टीम दीक्षा डोभाल की रही और आयुष उनियाल बेस्ट टीम लीडर चुने गए। रंगोली प्रतियोगिता में पूर्णिमा प्रथम, श्वेता द्वितीय और सिद्धांत तृतीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में दिव्यांशु प्रथम, आशीष द्वितीय और सचिन तृतीय रहे। गायन में गौरव भट्ट प्रथम, आयुष द्वितीय और दिव्यांशु व अनुज संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आए। मेहंदी में दीक्षा, गुरप्रीत और स्वाति, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में श्वेता, सारांश और स्वाति क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। सभी पुरस्कार स्व. बलदेवराज नरूला की स्मृति में प्रदान किए गए। समापन पर पूर्व प्रधान नरेंद्र नेगी ने महाविद्यालय में सुविधाओं में बढ़ोतरी कराने में सहयोग का भरोसा दिलाया। इससे पहले बौद्धिक सत्र में आचार्य दिनेश चंद्र भट्ट, आईआईपी के वैज्ञानिक डॉ. दीपेंद्र त्रिपाठी और डॉ. अफरोज इकबाल आदि ने भी विचार रखे।

माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक

स्वयंसेवियों ने निकाली जागरूकता रैली

डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवियों ने क्षेत्र में जन जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता के नारे लगाए। शुक्रवार को जन जागरूकता रैली कार्यस्थल सपेरा बस्ती से प्रारंभ हुई, जो विभिन्न क्षेत्रों से होकर निकली। विशेष सपेरा बस्ती क्षेत्र में स्वयंसेवियों ने लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। बौद्धिक सत्र में नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि सागर मनवाल ने स्वयंसेवियों को शिविर के अनुभवों से समाज को लाभान्वित करने के लिए प्रेरणा दी। कहा कि छात्र सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों से समाज सुधार में अपना योगदान दे सकते हैं। नगर पालिका की ओर से उन्हें स्वच्छता सर्वेक्षण के बारे में बताया गया। दूसरे सत्र में डॉ. आरएस रावत ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। संवाद

शहीद मेजर दुर्गामल्ल
(01-07-1913 - 25-08-1944)
शहीद मेजर दुर्गामल्ल का जन्म 01 जुलाई 1913 को वर्तमान
उत्तराखण्ड के डोईवाला में स्व. गंगाराम मल्ल क्षेत्री के घर हुआ था। इनकी
माताजी का नाम श्रीमती पार्वती देवी क्षेत्री था। सन् 1930 में भारत में नमक
सत्याग्रह आंदोलन आरम्भ हुआ उसमें उन्होंने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया।
26 जनवरी 1931 को 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की 2/1 बटालियन
में भर्ती हो गये। जनवरी 1941 को कु. शारदा देवी से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।
23 सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ हुआ जिसमें इनकी
पल्टन को अंग्रेजों की ओर से उत्तर–पूर्व में जापानियों के साथ लोहा लेने हेतु
मलाया भेजा गया। जापानियों ने 1942 में अंग्रेजों को हराकर इनको बंदी बना लिया।
1942 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद सेना का
गठन म्यानमार तत्कालीन बर्मा में हुआ जिसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त था।
जापान द्वारा बंदी बनाये गये सैनिकों ने आजाद हिंद फौज में सेवा करना स्वीकार
किया। आजाद हिंद फौज के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ एकत्र करने के अपराध में
अंग्रेजी सेना ने इन्हें मणिपुर में कोहिमा के पास अखरूल में बंदी बना लिया।
अंग्रेजों ने इन्हें बहुत यातनाएँ दी। 15 अगस्त 1944 को
उन्हें लाल किला सेन्ट्रल जेल लाया गया जहां 25 अगस्त 1944 को
फांसी के तख्ते पर झूलते हुए अमर शहीद हो गये।
"वीर शहीद को हमारा नमन"